[श्री शिव चन्द्र झा]

आदेश दिया है और यदि दिया है तो क्या आपके आदेश का उल्लंघन किया गया है? मै जानना चाहता हूं कि बरौनी रेल दुर्घटना के बारे मे आज कोई बयान देंग या नहीं ?

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Just a moment.

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI PRANAB MUKHERJEE) : We are ascertaining the position. Perhaps, he may be coming.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : But may I tell the Government that the Minister should have come forward and his statement should have been listed in today's List of Business? He should have informed the House earlier that he will be making a statement. That should be the procedure. When he was asked yesterday to make a statement, I think his statement should have come by now. This is not proper. (*Interruptions*) Now he is coming. (*Interruptions*) I have already said that. Yes, Shri Shrikant Verma.

श्री रामेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन् आप उधर के लोगों के बारे में कुछ कह दीजिए . . . (*Interruptions*)

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (उत्तर प्रदेश): श्रीमन् हमें इस बात की जानकारी मिल जाय कि स्टेटमेन्ट आज हो जाएगा या नही?

MR. DEPUTY CHAIRMAN : He is saying that the Minister is coming.

Yes, Mr. Shrikant Verma.

REFERENCE TO THE ALLEGED ATROCITIES BY C.P.M. WORKERS IN MALDA DISTRICT OF WEST BENGAL

श्री श्रीकान्त वर्मा (मध्य प्रदेश) : उपसभापति महोदय, पश्चिम बंगाल मे मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का राज्य है । मार्क्सवादियों का यह दावा है कि वे समानता और मानवतावाद में विश्वास रखते हैं । लेकिन पिछले कुछ महीनों मे बर्बरता और हृदयहीनता की कहानियां पश्चिम बंगाल से सबसे अधिक आ रही है । भोले-भाले नागरिकों को सताया जा रहा है, प्रादेशिकता को महत्व दिया जा रहा है, क्षेत्रीयता को बढ़ाया जा रहा है और यह सब मार्क्सवाद के नाम पर हो रहा है । पिछले दिनों 27 अक्तूबर को मालदा जिले में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कानून को भी अपने हाथ में ले लिया । इस पार्टी ने एक जनता अदालत कायम की है जो कि सरासर गैर-कानूनी है और बिना किसी कानून के सहारे के वह लोगों पर बेगुनाह इंसानों पर मुकदमे चलाती है और उन्हें सजा देती है । 27 अक्तूबर को मालदा में चार मुसलमान व्यक्तियों की आंखें निकाल ली गई । घटना तो वैसे बिहार में भी हुई, लेकिन बिहार में पुलिस ने यह किया लेकिन यहां यह अत्याचार पुलिस ने नहीं किया बल्कि सत्तारूढ़ पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्त्ताओं ने किया जिन्होंने कि जनता अदालत कायम की है । उन्होंने उन लोगों को गुनाहगार करार दिया और उनकी आंखें निकाल ली । मैं इन चार व्यक्तियो के नाम पढ़ता हूं । (1) मियां जमालुद्दीन, गाव सहारा, (2) मियां अकबर गाव सहारा, (3) मियां अब्दुल गांव सहारा, (4) मिया सबर गांव सहारा ।

उपसभापति महोदय, यह केवल सयोग नही है कि ये चारों व्यक्ति मुसलमान हैं, अल्पसंख्यक है । मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी स्वयं को धर्मनिरपेक्ष पार्टी कहती है । लेकिन क्या यह एक सयोग मात्र है कि ये चारों व्यक्ति जिनकी आंखें निकाल ली गई वे अल्पसंख्यक हैं? इससे यह और भी बात साबित हो जाती है उपसभापति महोदय कि पश्चिम बंगाल में यह पार्टी न केवल मार्क्सवादी के नाम पर अत्याचार कर रही है बल्कि अल्पसंख्यकों को भी सताया जा रहा है, जातिवाद और साम्प्रदायिकता को बढ़ावा दिया जा रहा है । उपसभापति महोदय, रोज पश्चिम बंगाल में . . .

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही (उत्तर प्रदेश): बिहार में मुख्य मंत्री पुलिस को डिफेन्ड कर रहे हैं। . . . .

श्री उपसभापति : कृपया समाप्त कीजिये।

श्री श्रीकान्त वर्मा : समाप्त कर रहा हूं। उपसभापति महोदय, पिछले दिनों पश्चिम बंगाल में बंद का भी आयोजन किया गया। श्री ज्योति बसु जो कुछ भी करते रहे हैं वह केवल केन्द्र की नीतियों का विरोध ही नहीं है बल्कि वह केन्द्र को कमजोर करने की कोशिश है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जितने भी नेता हैं, जो भी प्रमुख नेता हैं उनमें कम से कम इस बात पर कोई मतभेद नहीं है कि केन्द्र को अधिक से अधिक कमजोर किया जाय और श्रीमती इंदिरा गांधी की सरकार को गिराया जाय उनका . . . *(Interruptions)*

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : यहां पर बिहार की बात आई तो बिहार में चीफ मिनिस्टर इस मामले में पुलिस को डिफेन्ड कर रहे हैं।

श्री श्रीकान्त वर्मा : उनका लोकतंत्र में विश्वास नहीं है, उनका धर्मनिरपेक्षता में विश्वास नहीं है। जनता पार्टी का जो तीन साल का शासन या ढाई साल का शासन था वह भी मार्क्सवादियों के लिये एक आदर्श रहा है और वह उस तरह की सरकार कायम करना चाहते हैं। उपसभापति महोदय, मेरी मांग है कि सरकार इस बारे में जांच करे और जांच करने पर जो व्यक्ति दोषी पाये जांय उनको सजा दी जाय। इसके साथ ही साथ पश्चिम बंगाल की सरकार की गतिविधियों पर भी निगाह रखी जाय क्योंकि... *(Interruptions)* पता नहीं कि यह सरकार आगे चलकर केन्द्र के विरोध में क्या करे, केन्द्र को किस तरह कमजोर करे और किसी भी तरह केन्द्र की सरकार को गिराने की कोशिश करे।

SHRI P. RAMAMURTI (Tamil Nadu): Sir, this is a * statement that is being made here. *(Interruptions)*. I did not interrupt you. I listened to you. Now please have the patience to listen. Sir, it is a * statement. If, for example, anybody's eyes have been blinded, let him report it to the Chief Minister, or let them report it to the authorities, whoever it is. *(Interruptions)*. First of all, let them report it to the Chief Minister concerned and find out the facts. Without finding out the facts, this kind of allegation cannot be allowed to go on in this House. Then, you have said that some paper has published it. In what newspaper has it been published ? No newspaper has ever published it. You cook up something. These people cook up something. It is a cock and bull story. There is not even a report in any newspaper of this thing. As a matter of fact, the leader of the Congress Party in Malda has himself admitted to our people—I do not want to bring in all those things—and it is well known that in West Bengal the Congress Party members are beating each other inside the High Court premises and in other places they are doing it. First of all, put your party straight.

Secondly, Sir, with regard to the bandh, I want to make it very clear that the Communist Party, because it is in power, in office, in West Bengal, the Marxist Communist Party or any other political party, have got every right to call a bandh against the policies of the Central Government. Our being in Government there does not deprive our party of its right to fight against something that is wrong. Therefore, we will

---

*Expunged as ordered by the Chair.

[*Shri P. Ramamurti]

continue to do that. As, Sir, if they are in power in the Centre, that does not perclude their party in West Bengal from protesting against the policies pursued by our Government, and we give them the fullest right; wo do not object to that; similarly, we have also got the right to do so. Simply because we are in the Government in that State, that does not prevent our party from protesting against them.... (*Interruptions*).

SHRIMATI KANAK MUKHERJEE (West Bengal): Sir, I want to add something. The hon. Member referred to violence in Malda. It is the Congress-I people there who did it.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Ramamurti has used a word. That is not parliamentary and that will be expunged.

SHRIMATI KANAK MUKHERJEE: Sir, he has made a special mention of it. Let me say that it is the Congress-I people.... (*Interruptions*).

SHRIMATI MONIKA DAS (Karnataka): When they are not believing the newspaper report, we also don't believe what they are saying. (*Interruptions*).

SHRIMATI PURABI MUKHOPADHYAY (West Bengal): I want to refer to what Mr. Srikant Verma, a member of the ruling party, has said. I have nothing in dispute except as a person coming from Bengal, I want to assert here that Bengal is proud of its having a secular approach. We have never encouraged provincialism even when our boys and girls were being literally burnt in some parts. We never tried to retaliate in Bengal. So, whatever may be the party affiliations, this idea should not come into the mind of anybody that in any part of Bengal, provincialism is being encouraged.

SHRI SHRIKANT VERMA: How only the Muslims were blinded ?

SHRIMATI PURABI MUKHOPADHYAY: Perhaps, you do not know the total geographical situation of Malda district and the propulation of the minorities, and please do not say Muslims, Muslims all the time because in Bengal we live in complete amity....

SHRI KALYAN ROY (West Bengal): Unlike the place he comes from.

SHRIMATI PURABI MUKHOPADHYAY: Whatever be your political differences with the CPM—I may largely share with you—but the Bengal sentiment is not to be exploited.

REFERENCE TO THE REPORTED MEETING OF C.P.I. LEADERS WITH THE U.S.S.R. PRESIDENT, MR. BREZHNEV

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): श्रीमन् मैं सरकार का ध्यान एक ऐसी बात की ओर आकर्षित कर रहा हूं जो कि सामान्यतः प्रोटोकोल और पद्धति के विरुद्ध है । समाचार-पत्रों में छपा है कि कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया के लोगों ने श्री ब्रेजनेव साहब से अलग भेंट की । . . . (*Interrumptions*) सामान्यतः यह होता नहीं । यह केवल कम्युनिस्ट पार्टी को ही अधिकार है कि अगर कोई कम्युनिस्ट पार्टी का लीडर आए और जो सरकारी विजिट पर आया हो उससे जा कर वे गुप-चुप बातें करते हैं ऐसा क्यों ? बाहर की डिगनीटेरीज के साथ कोई व्यक्तिगत मुलाकात हो तो सामान्य पद्धति यह है कि कोई सरकारी अधिकारी वहां पर रहना चाहिए । तो प्रणव बाबू क्या यह बताएंगे कि बातचीत के समय सरकारी आदमी वहां पर था या नहीं था ? मेरी जानकारी में नहीं था । दूसरा यह कि प्रधानमंत्री महोदय ने जो सिविक रिसेप्शन हुआ